

ग्रहदशा स्त्री. (तत्.) गोचर ग्रहों की स्थिति 2. ग्रहों की स्थिति के अनुसार किसी मनुष्य की भली-बुरी दशा 3. दुर्भाग्य।

ग्रहदाय स्त्री. (तत्.) ग्रहों की स्थिति के आधार पर किसी जातक की आयु का निर्धारण।

ग्रहदृष्टि स्त्री. (तत्.) फलित ज्योतिष में जो कुंडली बनाई जाती है, उसमें प्रत्येक ग्रह की दूसरे ग्रहों पर एक विशेष 'दृष्टि' होती है, शुभ ग्रह की दृष्टि का फल शुभ और अशुभ ग्रह की दृष्टि का फल दूषित या अशुभ होता है।

ग्रहनायक पुं. (तत्.) सूर्य।

ग्रहमंडल पुं. (तत्.) ग्रहों का समूह।

ग्रहयुद्ध पुं. (तत्.) सूर्य सिद्धांत के अनुसार बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि या मंगल में से किसी एक ग्रह या चंद्रमा के साथ अथवा उक्त ग्रहों में से किन्हीं दो ग्रहों का एक साथ एक राशि के एक अंश पर इस प्रकार एकत्र होना कि उस ग्रह पर ग्रहण लगा हुआ जान पड़े, फलित ज्योतिष के अनुसार इसका फल भयंकर होता है।

ग्रहविप्र पुं. (तत्.) बंगाल और दक्षिण में ऐसे ब्राह्मण जो कुछ विशिष्ट क्रियाओं से ग्रहों के शुभाशुभ फल बताते हैं।

ग्रहागम पुं. (तत्.) ग्रहों या भूत-प्रेतादि की कष्टदायक बाधा होना।

ग्रहाचार्य पुं. (तत्.) दे. ग्रहविप्र।

ग्रहाधार पुं. (तत्.) ध्रुव नक्षत्र, ध्रुवा।

ग्रहामय पुं. (तत्.) 1. भृंगी 2. मूर्च्छा 3. प्रेत बाधा, भूतावेश।

ग्रहय पुं. (तत्.) भूताकुश नामक वृक्ष।

ग्रहानुचन पुं. (तत्.) शिकार या झपटकर उसे चीर फाड़ डालना।

ग्रहावमर्दन पुं. (तत्.) राहु 2. ग्रह युद्ध

ग्रहावर्त पुं. (तत्.) जन्मपत्री।

ग्रहाशी पुं. (तत्.) ग्रहनाश वृक्ष।

ग्रहाश्रय पुं. (तत्.) दे. ग्रहाधार।

ग्रहिल पुं. (तत्.) ग्रहण करने वाला 2. हठी, दुरग्रही, प्रेतबाधित 3. किसी विषय का अनुरागी।

ग्रहीत वि. (तत्.) "गृहीत"।

ग्रहीता पुं. (तत्.) 1. लेने वाला, ग्रहण करने वाला 2. निरीक्षण कर्ता 3. ऋणी 4. खरीदनेवाला 5. पकड़नेवाला।

ग्रांडील वि. (अं.) ऊँचे कद का, बहुत बड़ा या ऊँचा जैसे- ग्रांडील हाथी।

ग्राम पुं. (तत्.) छोटी बस्ती, गांव 2. जनपद 3. समूह, ढेर बरसाना राधा का गांव है टी. इस अर्थ में यह शब्द केवल यौगिक शब्दों के अंत में आता है जैसे- गुणग्राम 4. शिव 5. जाति 6. क्रम से सात स्वरों का समूह (सप्तक) 'स्वर ग्राम'- 'सा' (षड्ज) से प्रारंभ करके (सा रे गा म पा धा नी) जो सात स्वर हो उनके समूह को षड्ज ग्राम कहते हैं पुं. (अं.) अंग्रेजी का तोल-10 ग्राम प्रयो. मुझे 10 ग्राम इलाचयी देना, 10 ग्राम सोने का भाव 25 हजार रुपए है।

ग्रामक पुं. (तत्.) ग्रामीण, आनंददायक समूह।

ग्रामकूट पुं. (तत्.) 1. शूद्र 2. ग्राम का मुखिया।

ग्रामघात पुं. (तत्.) गाँव को लूटना।

ग्रामघोषी पुं. (तत्.) 1. जनसमूह या सेना में घोष या ध्वनि करने वाला 2. इंद्र का विशेषण।

ग्रामजाल पुं. (तत्.) ग्रामों का समूह, मंडल।

ग्रामटिका स्त्री. (तत्.) छोटा गाँव, कुछ घरों का पुर, बस्ती, अभाग या दरिद्र गाँव।

ग्रामणी पुं. (तत्.) 1. गाँव का मुखिक 2. प्रधान, अगुआ 3. विष्णु 4. यक्ष 5 नाऊ, हज्जाम 6. कामी पुरुष 7. एक यक्ष स्त्री. 1. वेश्या 2. नील का पेड़।

ग्रामदेवता पुं. (तत्.) 1. किसी एक गाँव में पूजा जाने वाला देवता 2. गाँव की रक्षा करने वाला देवता।

ग्रामधर्म पुं. (तत्.) 1. ग्रामीण परम्पराएँ, गाँव की रीति-नीति 2. स्त्री. संभोग, मैथुन।

ग्रामपंचायत स्त्री. (तत्.) ग्रामीण व्यक्तियों की वह आधिकारिक व्यवस्था जो गाँव के झगड़ों का न्याय, गाँव में सफाई, स्वच्छता की व्यवस्था करने आदि का कार्य करती है।